PART–C

भाग–ग

Note : (i) Fill in the blanks with suitable word/number. Write your answer in your answer-book.

(ii) Answer any *five* questions.

(iii) Each question carries *2* marks.

निर्देश : (i) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द/संख्या से करें। उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखें।

(ii) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के लिए *2* अंक हैं।

13. Temperature attained in electric arc welding is in the range of _____ °C.

इलेक्ट्रिक आर्क वेल्डिंग में _____ °C की सीमा तक का तापमान प्राप्त हो सकता है।

14. _____ means to heat the job before welding.

_____ का अर्थ वेल्डिंग से पहले जॉब को गर्म करने से है।

15. Welding technique of copper is similar to that of _____.

कॉपर के लिए वेल्डिंग विधि _____ के लिए प्रयुक्त वेल्डिंग विधि के समान है।

16. _____ test is used to determine the tensile strength of the weld.

_____ जाँच वेल्ड का तन्य सामर्थ्य पता करने के लिए की जाती है।

17. In TIG welding, electrode is used only to create the _____.

TIG वेल्डिंग में इलेक्ट्रोड का उपयोग केवल _____ उत्पन्न करने के लिए होता है।

18. In _____ weld joint, two plates in the horizontal plane are placed together edge-to-edge.

_____ वेल्ड जॉइन्ट में, क्षैतिज तल पर दो प्लेटों को किनारे-से-किनारे तक रखा जाता है।

★ ★ ★

इस प्रश्न-पत्र में 29 प्रश्न [खण्ड 'क' (21) + खण्ड 'ख' (4) + खण्ड 'ग' (4)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No.
कोड नं० **53/HIS/1**

Set/सेट **A**

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination .....

Signature of Invigilators 1. .....

2. .....

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

4. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या 53/HIS/1, सेट [A] लिखें।

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं—खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' 85 अंकों का और खण्ड 'ख' **अथवा** खण्ड 'ग' 15 अंकों का है।

खण्ड–क

1. (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

सपनेहुँ दोस कलेसु न काहू। मोर अभाग उदधि अवगाहू।
बिनु समझें निज अघ परिपाकू। जारिउँ जायँ जननि कहि काकू।।
हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा। एकहि भाँति भलेहिँ भल मोरा।
गुरु गोसाईं साहिब सियरामू। लागत मोहि नीक परिनामू।।

अथवा

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाये।
दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे!
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे!

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 2

कैसी करौं, कहाँ जाऊँ, कासे कहूँ, कौन सुनै।
कोऊ तो निकासो जासै दरद बढ़ै नहीं।
ऐरी मेरी नीर! जैसे-तैसे इन आँखिन तैं।
कढ़िगो अबीर, पै अहीर तो कढ़ै नहीं।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग *35–35* शब्दों में दीजिए : 2+2=4

(क) 'वह तोड़ती पत्थर' कविता के आधार पर शोषित और शोषक वर्ग के जीवन का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) कठपुतली बना हुआ मनुष्य दूसरों को भी कठपुतली क्यों बनाना चाहता है?

(ग) ''नरहरि! चंचल है गति मेरी''—पद में रैदास ने अपने मन की किस व्यथा को प्रकट किया है?

3. रामभक्ति काव्य और कृष्णभक्ति काव्य में **चार** अंतर बताइए। 2

4. 'मैं नीर भरी दुख की बदली' कविता **अथवा** 'मुझे कदम-कदम पर' कविता का केन्द्रीय भाव लगभग *35* शब्दों में लिखिए। 2

5. (क) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में निहित रस का नाम बताइए : 1

''नैना अन्तरि आव तूँ, ज्यूँ हौ नैन झँपेउँ।
ना हैं देखौं और कूँ, ना तुझ देखन देउँ॥''

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में निहित अलंकार का नाम बताइए : 1

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।
बाँटनवारे के लगै, ज्यों मेंहदी को रंग॥

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन।
रखो आत्मगौरव से ऊँची
पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन।
एक बूँद भी रक्त शेष हो,
जब तक तन में हे शत्रुंजय!
दीन वचन मुख से न उचारो,
मानो नहीं मृत्यु का भी भय।

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम-स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन-सम्बल।
मृत्यु एक सरिता है जिसमें,
श्रम से कातर जीव नहाकर।
फिर नूतन धारण करता है,
काया-रूपी वस्त्र बहाकर।

सच्चा प्रेम वही है जिसकी
तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर।
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण न्योछावर।

देश-प्रेम वह पुण्य क्षेत्र है,
अकाल, असीम त्याग से विलसित।
आत्मा के विकास से जिसमें,
मनुष्यता होती है विकसित।

(क) मनुष्य को मृत्यु का स्वागत करने की बात कवि ने क्यों कही है? 1

(ख) मृत्यु की सरिता जीव को नया रूप कैसे प्रदान करती है? स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) कवि की दृष्टि में सच्चा प्रेम कैसा होता है? उसकी विशेषता बताइए। 1

(घ) आत्मगौरव से जीवन जीने वाले को क्या करना चाहिए और क्या नहीं? 1

(ङ) देश-प्रेम को पुण्य क्षेत्र क्यों कहा गया है? 1

7. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

हमारा जीवन भी इस वृक्ष की तरह होना चाहिए कि उसका कुछ भाग हिलने-डुलने वाला हो और कुछ भाग स्थिर रहने वाला, यह जीवन की पूर्ण कृतार्थता है।

अथवा

सूर्य का गोला पानी की सतह से छू गया। पानी पर दूर तक सोना ही सोना घुल आया। पर वह रंग इतनी जल्दी-जल्दी बदल रहा था किसी एक क्षण के लिए उसे एक नाम दे सकना असम्भव था। सूर्य का गोला जैसे एक बेबसी में पानी के लावे में डूबता जा रहा था। धीरे-धीरे वह पूरा डूब गया और कुछ क्षण बीतने पर वह लहू भी धीरे-धीरे बैंजनी और बैंजनी से काला पड़ गया।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग *50–50* शब्दों में दीजिए : 3+3=6

(क) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ के आधार पर नई पीढ़ी के स्वभाव की **तीन** विशेष विचारधाराओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'जिजीविषा की विजय' पाठ के आधार पर डॉ० रघुवंश के 'कर्मयोगी' रूप की किन्हीं **तीन** विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'दो कलाकार' कहानी में आप चित्रा और अरुणा में से किससे अधिक प्रभावित हुए और क्यों? स्पष्टीकरण दीजिए।

9. रामचंद्र शुक्ल **अथवा** हजारी प्रसाद द्विवेदी की भाषा-शैली की **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ईश्वर का एक नाम दीनबंधु है। यदि हम वास्तव में आस्तिक हैं, ईश्वरभक्त हैं तो हमारा यह पहला धर्म है कि हम दीनों को प्रेम से गले लगाएँ, उनकी सहायता कर उनकी सेवा-सुश्रूषा करें। तभी तो दीनबंधु ईश्वर हम पर खुश होगा। पर हम ऐसा कब करते हैं?

यह हमने सुना अवश्य है कि त्रिलोकेश्वर श्रीकृष्ण की मित्रता और प्रीति सुदामा नाम के एक दीन-दुर्बल ब्राह्मण से थी। यह भी सुना है कि श्रीकृष्ण ने दुर्योधन का अतुल आतिथ्य अस्वीकार कर बड़े प्रेम से गरीब विदुर के यहाँ सागभाजी का भोग लगाया था। पर ये बातें चित्त पर कुछ बैठती नहीं हैं। हमारा भगवान दीनों का भगवान नहीं है। हरे-हरे! यह उन घिनौनी कुटियाओं में रहने जाएगा, रत्न-जटित सिंहासन छोड़कर उन भुक्खड़ कंगालों के कटे-फटे कम्बलों पर बैठने जाएगा? कभी नहीं हो सकता। यह मालपूआ और मोहनभोग आरोगने वाला भगवान उन भिखारियों की रूखी-सूखी रोटी खाने जाएगा? कभी नहीं हो सकता। और हम अपने बनाए हुए विशाल राजमंदिरों में उन दीन-दुर्बलों को आने भी न देंगे। दीन-दुर्बल भी कहीं ईश्वर-भक्त होते हैं? ठहरो, ठहरो—यह कौन गा रहा है? ठहरो, जरा सुनो! तब यह खूब रहा!

मैं ढूँढ़ता तुझे था जब कुंज और वन में,
तू खोजता मुझे था तब दीन के वतन में।
मेरे लिए खड़ा था दुखिया के द्वार पर तू
मैं बाट जोहता था तेरी किसी चमन में।

तो क्या हमारे लक्ष्मीनारायण जी दरिद्रनारायण हैं? फकीर की आवाज तो यही कहती है। हज़रत खड़े भी कहाँ होने गए!

बेबस गिरे हुओं के बीच में तू खड़ा था
मैं स्वयं देखता था झुकता कहाँ चरन में।।

तो क्या उस दीनबंधु को अब यही मंजूर है? —हम उसकी खोज दीन-हीनों, दुर्बलों की झोंपड़ियों में करें? निश्चय ही—किसानों और मजदूरों की टूटी-फूटी झोंपड़ियों में ही प्यारा गोपाल बंशी बजाता मिलेगा, वहाँ जाओ और उसकी मोहिनी छवि निरखो। जेठ-बैसाख की कड़ी धूप में मजदूर के पसीने की टपकती हुई बूँदों में उस प्यारे राम को देखो। दीन-दुर्बलों की निराशावादी आँखों में उस सिरजनहार को देखो, लीलाबिहारी प्यारे कृष्ण को देखो। दीन-हृदय ही उस प्यारे का मंदिर है, मसज़िद है, गिरजा है। दीन-दुर्बल का दिल दुखाना ही, उसे सताना अपने धर्म-कर्मों को भस्मसात करना है। दरिद्र-सेवा ही सच्ची ईश्वर-भक्ति है।

(क) दीनों की सेवा न करने वाले व्यक्ति को लेखक ने आस्तिक क्यों नहीं माना? 1

(ख) लेखक ने किस आधार पर श्रीकृष्ण को दीनबंधु कहा है? 1

(ग) दीनों के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए? 1

(घ) दीनों की सेवा को लेखक ने ईश्वर की सच्ची भक्ति क्यों बताया है? 1

(ङ) ईश्वर-भक्त होने के नाते हमारा पहला धर्म क्या कहा गया है? 1

(च) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(छ) 'रूखी-सूखी' और 'मोहिनी छवि' के समास का नाम बताइए। ½+½=1

(ज) 'आस्तिक' और 'दुर्बल' के विपरीतार्थक शब्द लिखिए। ½+½=1

(झ) 'बेबस' और 'सिरजनहार' के उपसर्ग-प्रत्यय बताइए। 1

(ञ) दीनों का हृदय—मंदिर, मसज़िद, गिरजाघर क्यों बताया गया है? 1

(ट) 'लक्ष्मीनारायण' और 'दरिद्रनारायण' शब्दों से लेखक का क्या अभिप्राय है? 1

11. 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में बुंदेलखंड के लोगों के जीवन-चरित्र को पूरी सजीवता के साथ चित्रित किया गया है। उनकी **तीन** स्वभावगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

12. 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास की भाषा-शैली की **तीन** प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 3

13. (क) कुंजरसिंह दलीपनगर के गृहयुद्ध में अलीमर्दान को बुलाने का समर्थन क्यों नहीं करता? 1

(ख) गोमती ने दुर्गा से क्या वरदान माँगा? 1

14. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×5=5

(क) रजनीश, महर्षि (संधि-विच्छेद कीजिए)

(ख) मुझसे फर्श पर बैठा नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) तुमने उसको क्यों मारा? (वाक्य-शुद्ध कीजिए)

(घ) गाँव जाते ही वह बीमार पड़ गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ङ) रसोईघर, प्रतिपल (समासों के नाम बताइए)

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** का भाव-पल्लवन कीजिए : 3

(क) बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि ले।

(ख) धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग *300* शब्दों में निबन्ध लिखिए : 8

(क) घर-परिवारों में बड़े-बूढ़ों का जीवन

(ख) भ्रष्टाचार : एक कलंक

(ग) नर हो, न निराश करो मन को

(घ) देश की प्रगति में महिलाओं की भूमिका

17. परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखिए, जिसमें बस-चालक की सूझ-बूझ और दिलेरी की प्रशंसा करते हुए उसे विभाग द्वारा पुरस्कृत करने का आग्रह किया गया हो। 4

18. प्रतिवेदन लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उसकी प्रक्रिया को समझाइए। 4

19. 'टिप्पण' और 'टिप्पणी' में अंतर स्पष्ट करते हुए फाइल पर 'टिप्पण' लिखने की पद्धति पर प्रकाश डालिए। 3

20. नींद में आपने स्वप्न देखा कि बोर्ड के परीक्षा-केंद्र पर आप एक घण्टा देरी से पहुँचे। आपको परीक्षा में बैठने नहीं दिया गया, उस समय की मनःस्थिति को लगभग *30* शब्दों में लिखिए। 2

21. हिन्दी भाषा के शब्द-भंडार को समझने के लिए उसके निम्नलिखित वर्गीकरण को जानना आवश्यक है— वर्गीकरण मुख्यतः चार प्रकार से (i) अर्थ की दृष्टि से (ii) प्रयोग की दृष्टि से (iii) उत्पत्ति की दृष्टि से और (iv) रचना की दृष्टि से। (i) अर्थ की दृष्टि से पाँच प्रकार के शब्द—एकार्थी, अनेकार्थी, भिन्नार्थक, पर्यायवाची और विपरीतार्थक। (ii) प्रयोग की दृष्टि से—सामान्य, तकनीकी, अर्द्धतकनीकी (iii) उत्पत्ति की दृष्टि से—तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी व संकर तथा (iv) रचना की दृष्टि से—रूढ़, यौगिक और योगरूढ़।

प्रस्तुत शब्द प्रकारों को उपयुक्त आरेख द्वारा प्रदर्शित कीजिए। 4

खण्ड–ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

22. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए : 1

(क) स्वतंत्र पत्रकार

(ख) परिशिष्ट

(ग) धमाका/स्तूप

23. (क) इंटरनेट से क्या तात्पर्य है? सूचनाओं के प्रसार एवं प्रचार में इसकी क्या उपयोगिता है? 2

(ख) फीचर किसे कहते हैं तथा इसे कैसे प्रस्तुत किया जाता है? 2

24. (क) सूचना प्रौद्योगिकी के कारण संचार में आई क्रांति के **दो** मुख्य कारणों पर प्रकाश डालिए। 2

(ख) समाचार-पत्रों की भाषा-शैली की **दो** प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 2

25. (क) भारत के किसी राज्य में विधान सभा के चुनाव के पश्चात् विजयी राजनैतिक पार्टी और पराजित राजनैतिक पार्टी के कार्यकर्त्ताओं के बीच हिंसा भड़क उठी। उस समय आप एक वरिष्ठ पत्रकार के रूप में उपस्थित थे। आँखों-देखे हाल पर एक समाचार आइटम का प्रारूप लगभग *50* शब्दों में तैयार कीजिए। 3

(ख) दिल्ली के किसी एक सरकारी विभाग से सेवा-निवृत्त होने पर आप दिल्ली के अपने खरीदे हुए फ्लैट को बेंचना चाहते हैं। इसके लिए दिल्ली के किसी समाचार-पत्र में एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए। 3

खण्ड–ग

(विज्ञान की भाषा—हिन्दी)

22. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए : 1

(क) क्रिस्टल

(ख) अर्लिद

(ग) आनुवंशिकता

23. (क) वैज्ञानिक दृष्टि से क्या तात्पर्य है? इसकी किन्हीं **दो** विशेषताओं का परिचय दीजिए। 2

(ख) प्राचीन भारत में खगोलविज्ञान की उपलब्धियों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 2

24. भारत में जनसंख्या-वृद्धि का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है? यह बताते हुए 'ओज़ोन परत पर छेद की आशंका' पर टिप्पणी कीजिए। 4

25. (क) कम्प्यूटर आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। इसकी किन्हीं **तीन** प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 3

(ख) विज्ञान की भाषा सामान्य भाषा से भिन्न क्यों है? इसकी किन्हीं **तीन** प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

★ ★ ★